कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न

[पंचास्तिकाय, प्रवचनसार और समयसारका विषय परिचय]

लेखक
गोपालदास जीवाभाई पटेल

अनुवादक
शोभाचन्द्र भारिल्ल

*

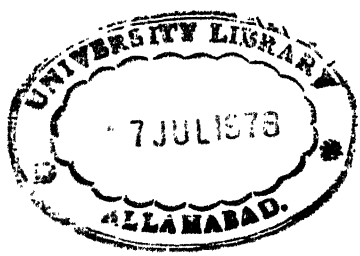

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन